

S. S. College, Jehanabad
 class - M.A (Psychology) Sem. - II
 Subject :- Psychology Paper-VII (Psychometrics)
 Teacher's Name - Dr. Vivika Nand Sharma
 Date - 13.08.2020

Topic :- Test construction
 (Validity)

Factors influencing Validity

मानकीकरण पर विचार

के क्षेत्र में मानकीकरण के कार्य के विभिन्न तरीकों का मापन करने के लिए परीक्षण का निर्माण एवं 103 प्रकार के मानकीकरण परीक्षण के प्रकारों का वर्गीकरण एवं विचारों से परीक्षण की वैधता पर प्रभाव डालता है। सामान्यतः परीक्षण की वैधता के लक्षण परीक्षण की उच्च समता से होता है जिसे हम उच्च गुण या स्तर के मापन के लिए बनाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए परीक्षण का Self-correlation नहीं होता है जबकि यह कुछ अन्य independent-criteria से साथ correlated होता है (Anastasi, 1976)। कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने किसी भी मानकीकरण या मानकीकरण परीक्षण की वैधता प्रमाणित की है। इन बातों में से कुछ प्रमुख बातें निम्नलिखित हैं :-

① परीक्षण की लंबाई (Length of the test) :-

बिना भी

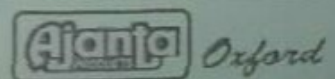
समजाती परीक्षण (Homogeneous test) की लंबाई बढ़ाने वाले मानकीकरणों की कुछ विशेषताएं हैं। सामान्यतः परीक्षण की वैधता बढ़ाने के लिए परीक्षण की लंबाई बढ़ाने से निम्नलिखित बातें होती हैं। एक परीक्षण की लंबाई बढ़ाने पर लंबाई बढ़ाने से - दो गुणा, तीन गुणा या चार गुणा बढ़ाने वाली है वह इससे परीक्षण की वैधता बढ़ेगी है। इसी प्रकार से परीक्षण की लंबाई बढ़ाने से कुछ और बातें भी हो सकती हैं।

$$r_c(rx) = \frac{(n)(r_{xx})}{\sqrt{n+n(n-1)r_{xx}}}$$

या

SHOT ON REDMI Y3

AIDUAL CAMERA



r_{ex} = અવજાન વર્તમાન કોષ્ટક

n = વર્તમાન કોષ્ટકોડે અવજાન વર્તમાન કોષ્ટકોડે કુલ કોષ્ટકોડે

r_{it} = વર્તમાન કોષ્ટકોડે વિવેકવર્તમાન

માનવિષય વાગે છે તેવી વર્તમાન કોષ્ટકોડે કુલ

0.50 વ્યા વિવેકવર્તમાન કુલ 0.40 વ્યા વર્તમાન કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે 4 કુલ
વર્તમાન કોષ્ટકોડે વ્યા 0.40 વ્યા વર્તમાન કોષ્ટકોડે વર્તમાન કોષ્ટકોડે
કોષ્ટકોડે

$$r_{ex} = \frac{(4)(0.50)}{\sqrt{4 + 4(4-1)0.40}}$$

$$= \frac{2}{\sqrt{(8)(3)(0.4)}}$$

$$= \frac{2}{\sqrt{9.6}} = \frac{2}{3.098} = 0.64557 = 0.65$$

સાચી વર્તમાન કોષ્ટકોડે માનવિષય વાગે છે તેવી વર્તમાન કોષ્ટકોડે
કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે 1 કોષ્ટકોડે સાચી વ્યા 0.40 વ્યા વર્તમાન કોષ્ટકોડે
0.50 વ્યા 0.40 વ્યા કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે વર્તમાન કોષ્ટકોડે
કોષ્ટકોડે કુલ વ્યા 0.40 વ્યા 1 વર્તમાન કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે 0.50
કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે 1 વર્તમાન કોષ્ટકોડે 0.50 વ્યા 0.40
કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે 1

$$n = \frac{r_{ex}^2(1-r_{it})}{r_{ex}^2 - r_{ex}(r_{it})}$$

અહીં

n = વર્તમાન કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે કુલ કોષ્ટકોડે

r_{ex} = વર્તમાન કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે

r_{it} = વર્તમાન કોષ્ટકોડે વિવેકવર્તમાન

તેથી વર્તમાન - કોષ્ટકોડે

વિવેકવર્તમાન 0.60 વ્યા કોષ્ટકોડે 0.65 છે 1 સાચી વર્તમાન કોષ્ટકોડે
0.80 વ્યા કોષ્ટકોડે સાચી વર્તમાન કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે કુલ કોષ્ટકોડે
સાચી વ્યા 0.40 વ્યા 0.40 વ્યા કોષ્ટકોડે કોષ્ટકોડે 0.50 વ્યા 0.40
કોષ્ટકોડે

$$n = \frac{(0.80)^2(1-0.60)}{(0.65)^2(0.80)^2(0.60)}$$

$$= \frac{(0.64)(0.40)}{(0.4225)(0.64)(0.60)} = \frac{0.265}{0.162} = 1.58$$

क्या है कि इस परीक्षा की केंद्रों की संख्या को बढ़ाने के लिए परीक्षा की लंबाई बढ़ाने से अधिक लाभकारी है। परीक्षा की लंबाई बढ़ाने से परीक्षा की केंद्रों का संख्या बढ़ाने से अधिक लाभकारी है। यदि किसी परीक्षा की अतिरिक्त रूप से एक दिन लंबाई को बढ़ाया जाय तो परीक्षा की विश्वसनीयता बढ़ेगी और परीक्षा की लंबाई बढ़ाने से परीक्षा की विश्वसनीयता बढ़ेगी। परीक्षा की लंबाई बढ़ाने से परीक्षा की विश्वसनीयता बढ़ेगी और परीक्षा की लंबाई बढ़ाने से परीक्षा की विश्वसनीयता बढ़ेगी। परीक्षा की लंबाई बढ़ाने से परीक्षा की विश्वसनीयता बढ़ेगी और परीक्षा की लंबाई बढ़ाने से परीक्षा की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

$$r_{c(xm)} = \frac{r_{cx}}{\sqrt{\frac{1-r_{xx}}{n}}}$$

$$r_{c(xm)} = \frac{r_{cx}}{\sqrt{\left(\frac{1-r_{xx}}{n} + r_{cc}\right) \left(\frac{1-r_{mm}}{m} + r_{cc}\right)}}$$

Where, $r_{c(xm)}$ = Correlation between the test of length x and m times and criterion lengthened n times; r_{xx} = reliability of the test; n = number of times the test has been lengthened; m = number of times criterion has been lengthened; r_{cc} = reliability of the criterion; r_{cx} = correlation between the test and the criterion.

② ग्रुप विविधता (Group Variability) :-

परीक्षा की केंद्रों

इस सब से गुण या सामान में बिना क हीक-हीक समान
भी है। इससे भीतर सामान में बिना क हीक-हीक समान
है। इससे भीतर सामान में बिना क हीक-हीक समान

② अस्पष्ट निर्देश (Ambiguous Direction):-

परीक्षा से

कंपन में निर्देश का भी प्रकार होता है। प्रत्येक सामान्य निर्देश परीक्षा
में प्रत्येक निर्देश होता है जो भी निर्देश का दिशा देता है। यदि
इस निर्देश का अर्थ स्पष्ट होता है तो निर्देश ठीक ठीक होता
है या निर्देश स्पष्ट बिना बिना परीक्षा में अर्थ-अर्थ से ही
निर्देश है तो भी निर्देश में परीक्षा की कंपन क हीक-हीक समान
है। यदि निर्देश स्पष्ट है तो निर्देश है जो भी निर्देश अर्थ प्रत्येक
सामान्य निर्देश है तो भी निर्देश परीक्षा की कंपन क हीक-हीक समान

③ अनुपयुक्त पदों की परीक्षा में सम्मिलित हो जाना (Addition
of inappropriate items):-

एक परीक्षा की कंपन की प्रश्नों के

सामान्य में परीक्षा में प्रत्येक पदों की भी सम्मिलित हो जाना होता
है जो निर्देश अस्पष्टता का कारण बनती है या इसकी कारण-वही परीक्षा-
के प्रश्नों के प्रश्नों में सम्मिलित या क हीक-हीक समान है तो हीक-हीक समान
परीक्षा की कंपन में सम्मिलित नहीं करना है जो कंपन क हीक-हीक समान

④ सामाजिक-सांस्कृतिक भिन्नता (Socio-cultural differ-
ences):-

परीक्षा की कंपन प्रत्येक सामान्य में प्रत्येक सामान्य के Norms

या सामान्य में प्रत्येक सामान्य के प्रत्येक सामान्य के परीक्षा-हीक-हीक में भी
सम्मिलित होता है। सामान्य भी सामान्य है प्रत्येक सामान्य के
Norms वही प्रत्येक सामान्य के सामान्य के सामान्य-हीक-हीक समान
है। इसी कंपन में प्रत्येक सामान्य के सामान्य के सामान्य के सामान्य-हीक-हीक
परीक्षा का सामान्य के सामान्य के सामान्य के सामान्य के सामान्य-हीक-हीक
समान है तो इसी कंपन में सामान्य क हीक-हीक समान है।

प्रत्येक सामान्य की कंपन की प्रश्नों के

सामान्य में सम्मिलित नहीं है।

